



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 01 जुलाई, 2023

वशिव खनन कॉन्ग्रेस

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन में आयोजित वशिव खनन कॉन्ग्रेस में इंडिया पैवेलियन ने खनन, ऊर्जा क्षेत्र में देश की तकनीकी शक्ति और सतत विकास प्रथाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। वशिव खनन कॉन्ग्रेस (World Mining Congress- WMC) वैश्विक खनन एवं संसाधन उद्योगों के लिये अग्रणी अंतरराष्ट्रीय मंच है। यह प्राकृतिक खनिज तथा ऊर्जा संसाधनों के सतत विकास में वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देती है व उसका समर्थन करती है तथा उस क्षेत्र में नवीनतम नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करती है। WMC का उद्घाटन वर्ष 1958 में एक प्रमुख पोलिश वैज्ञानिक तथा माइनिंग इंजीनियर प्रोफेसर बोलस्लाव कुरपसिकी द्वारा किया गया था। इसका संचालन काटोविस, पोलैंड में स्थित एक स्थायी सचिवालय द्वारा किया जाता है तथा संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध है। WMC का आयोजन पूरे विश्व में त्रैवार्षिक आधार पर किया जाता है।

और पढ़ें: [भारत में खनन क्षेत्र](#)

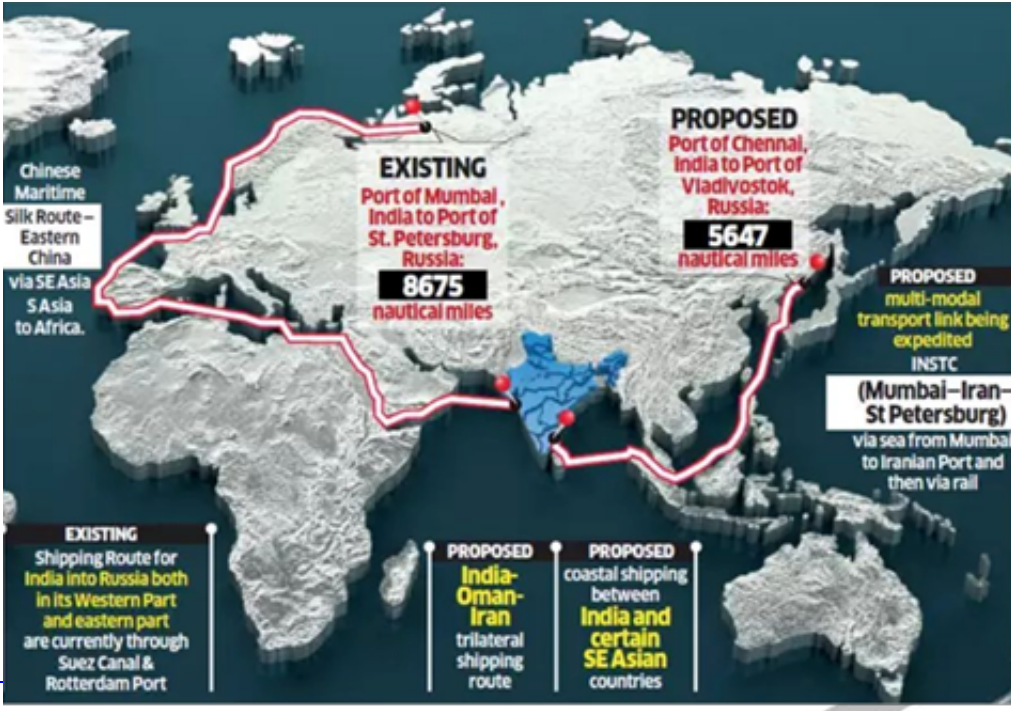
'रिपोर्ट फशि डजिज़' एप

केंद्रीय पशुपालन, मत्स्यपालन और डेयरी मंत्रालय ने मत्स्य किसानों की सहायता करने तथा जलीय कृषि क्षेत्र में रोग प्रबंधन में सुधार हेतु 'रिपोर्ट फशि डजिज़' नामक एक नए मोबाइल एप का अनावरण किया है। जलीय जीवों में होने वाले रोग मत्स्यपालन क्षेत्र के विकास में प्रमुख बाधक हैं। जलीय जीवों के रोगों की शीघ्रता से जानकारी प्राप्त करने के लिये नगिरानी आवश्यक है, जिससे उनके प्रभाव को कम किया जा सके। उन्मूलन तथा रोकथाम के लिये रोगों का शीघ्र पता लगाना महत्वपूर्ण है। क्षेत्र-स्तरीय रोग सूचना तंत्र की अनुपलब्धता के कारण जलीय कृषि में बीमारियों के कई मामले दर्ज नहीं किये जाते हैं। RFD एप मत्स्य किसानों को उनके तालाबों में फनिफशि, झींगा और मोलस्क में होने वाली बीमारियों की व्यापकता के बारे में अधिकारियों तथा मत्स्य स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ सूचना साझा करने में सहायता करेगा।

और पढ़ें: [भारत का मत्स्य क्षेत्र](#)

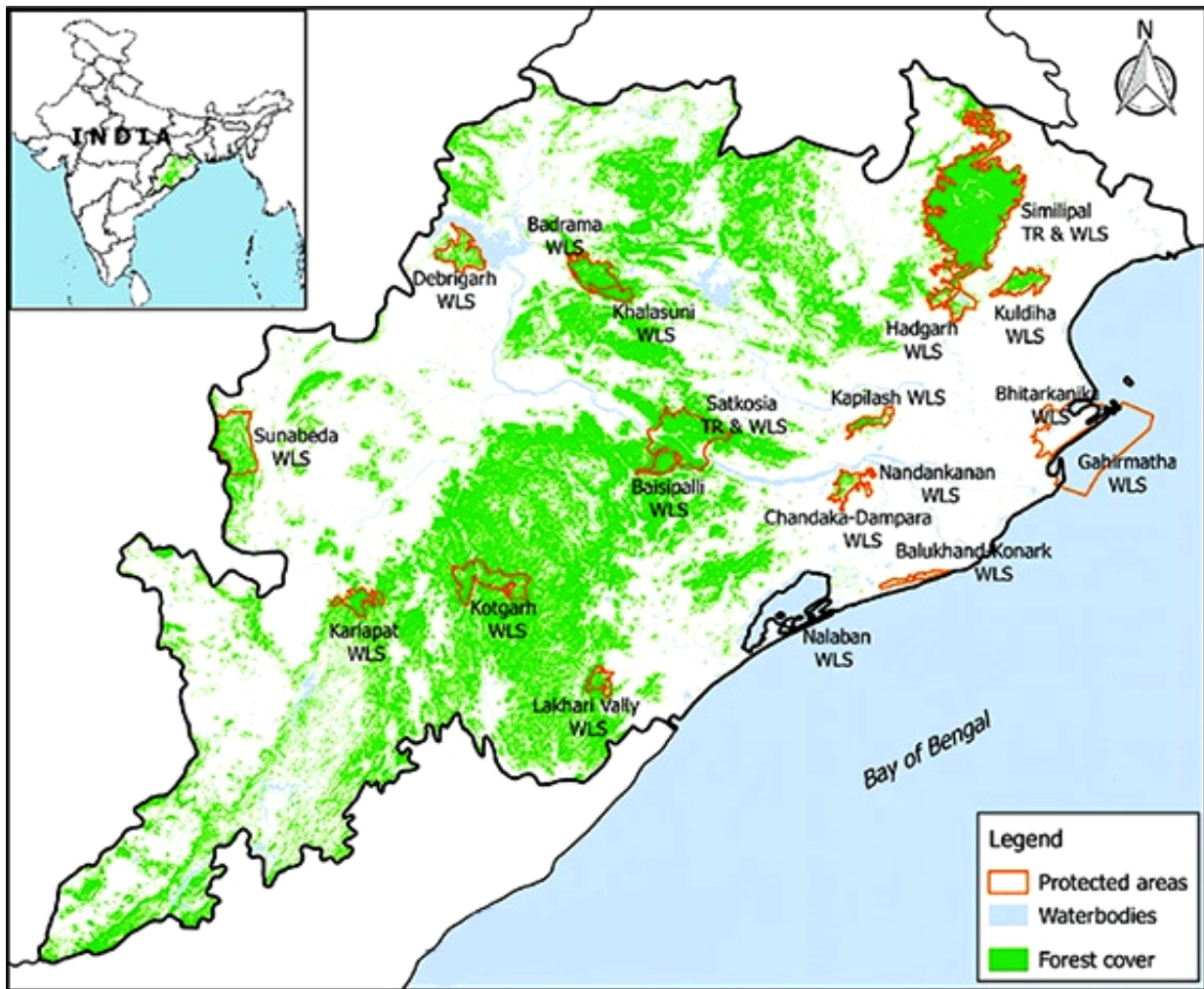
चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री मार्ग

भारत और रूस चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री मार्ग को शुरू करने पर विचार कर रहे हैं। व्लादिवोस्तोक-चेन्नई मार्ग जापान सागर, दक्षिण चीन सागर और मलक्का जलसंधि से होकर गुजरता है। वर्ष 2019 की यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री ने रूसी राष्ट्रपति के साथ व्लादिवोस्तोक बंदरगाह और चेन्नई बंदरगाह के बीच समुद्री संचार के विकास पर एक आशय पत्र (MoI) पर हस्ताक्षर किये। इस मार्ग की खासियत है कि यह परविहन समय को घटाकर 10-12 दिन कर देगा जो कि सेंट पीटर्सबर्ग से मुंबई तक के मौजूदा मार्ग में लगने वाले परविहन समय का यह लगभग एक-तहार्ड है। वहीं, इस मार्ग की सहायता से परविहन की लागत में 30% की उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। यह भारत को मंगोलिया जैसे देशों सहित सुदूर पूर्व तक पहुँच और दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र में मुख्य उपस्थिति भी प्रदान करेगा।



डेब्रीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

ओडिशा के बरगढ़ ज़िले में स्थित डेब्रीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य को आसपास रहने वाली मानव बस्ती से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है। राज्य वन और पर्यावरण विभाग के अनुसार, डेब्रीगढ़ अभयारण्य, जसि एक बाघ अभयारण्य बनाने का प्रस्ताव है, में बड़े एवं मांसाहारी पशुओं के लिये उच्च शक्ति पाए जाने की बहुत संभावना है। यह अभयारण्य भारतीय बाइसन, जंगली सूअर, सांभर और मोर जैसे जानवरों का नविस स्थान है। इस अभयारण्य में चार सींग वाला मृग (चौसघा), जो IUCN की रेड लिस्ट में असुरक्षित के रूप में सूचीबद्ध है, भी पाया जाता है। हीराकुंड जलाशय एक रामसर स्थल और अंतरराष्ट्रीय पक्षी कषेत्र भी इस अभयारण्य के निकट में ही स्थित है। इस अभयारण्य की प्रसिधिका एक अन्य कारण प्रसिधिस्वतंत्रता सेनानी वीर सुरेंद्र साई हैं, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ वद्रोह के दौरान इसी अभयारण्य के भीतर स्थित 'बारापथारा' में अपना ठकाना बनाया था।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-01-july-2023>